नक्सल इलाकों के 25 बच्चों को देंगे फ्री मेडिकल एजुकेशन सलेक्शन CRPF के जिम्मे

सिटी रिपोर्टर • आने वाले समय में नक्सल प्रभावित इलाकों में भी मेडिकल फैसिलिटीज दमदारी के साथ पहुंच सकेंगी। रायपुर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (रिम्स) में संचालित पैरामेडिकल कोर्स में 100 में से 25 सीटों पर ऐसे स्टूडेंट्स को एडमिशन दिया जाएगा जो सीआरपीएफ रिकमंड करेगी। ये ऐसे बच्चे होंगे जो पढ़ाई में अच्छे हैं लेकिन पिछड़े इलाकों का होने के कारण उन्हें एजुकेशन नहीं मिल पाती। इसके अलावा इनमें कुछ ऐसे बच्चे भी शामिल होंगे जिनके पैरेंट्स किसी नक्सल वारदात का शिकार हुए हों। इन्हें निशुल्क शिक्षा दी जाएगी। इनके खाने और रहने की व्यवस्था भी रिम्स मैनेजमेंट करेगा। इस मुहिम का मकसद ऐसे स्टूडेंट्स को करियर के बेस्ट मौके देना और एजुकेट करना है। सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) और रिम्स ने गुरुवार को इस नेक पहल की अधिकारिक शुरुआत की। इस मौके पर सीआरपीएफ के आईजी देवेंद्र सिंह चौहान, रिम्स के सीईओ डॉ. जसपाल भामरा सहित अन्य मौजूद रहे।

अस्पताल में बना रहे हैलीपैड जवानों का होगा फ्री इलाज

सीआरपीएफ के जवानों के निशुल्क इलाज की पहल हॉस्पिटल ने की है। कई बार ऐसे हालात नक्सल इलाकों में बन जाते हैं जिनमें जवान नक्सलियों से लड़ते हुए बॉम्ब ब्लास्ट या गोली लगने के शिकार होते हैं। उन सभी जवानों का यहां इलाज हो सकेगा। चूंकि ये केसेस एमरजेंसी के होते हैं कम वक्त में सही इलाज जवानों को दिया जाना जरूरी होता है। लिहाजा यहां हैलीपैड डेवलप किया जा रहा है। यहां सीआरपीएफ के घायल जवानों को सीधे हेलीकॉप्टर से लाया जा सकेगा। इससे पहले तक माना एयरपोर्ट में हैलीकॉप्टर लैंड होता था फिर बाय रोड अस्पताल लाया जाता था।